गीता मेहरा

फेंगशुई द्वारा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाह

वास्तुशास्त्र और फेंगशुई मनुष्य के जीवन को सुखी बनाने के लिए प्राचीन ऋषि-मुनियों द्वारा बनाई गई दो विधाएं हैं जो प्राचीन समय से ही प्रचलित हैं। इन दोनों ही विधाओं का आधार पंच तत्वों का संतुलन बनाकर मानव जीवन को सुखी बनाना है। वास्तुशास्त्र न केवल ऊर्जा का उपयोग करता है बल्कि ज्योतिष और खगोल विज्ञान जैसे आधुनिक विज्ञान को भी आपस में जोड़ता है जबकि फेंगशुई शांति से रहने के लिए ऊर्जा को संतुलित करने की कला है।

फेंग शुई चीनी विद्वानों के आध्यात्मिक जीवन जीने की एक कला है। वास्तु शास्त्र, फेंगशुई व पिरामिड तीनों ही किसी भवन या भूमि के आकार-प्रकार, अनुपात, दिशा, ऊर्जा एवं वातावरण में पर्यावरण के साथ अनुकूलता किस तरह से बनाई जाए इसका विस्तृत विश्लेषण है जिसमें पृथ्वी पर चुंबकीय प्रभाव वायु तथा सूर्य की ऊर्जा को ध्यान में रखकर किसी भी भवन के निर्माण के अध्ययन के लिये किया जाता है।

सभी लोगों में यह जिज्ञासा रहती है कि क्या भाग्य बदला जा सकता है? ज्योतिष, वास्तु शास्त्र या फेंगशुई से भाग्य बदला जा सकता है, ऐसा निम्न प्रकार से किया जा सकता है :

1) वह भाग्य जो व्यक्ति अपने पिछले जन्म के कर्मों को प्रारब्ध के रूप में लाया है और जो जन्म कुंडली में दिखाई देते हैं उन ग्रह दोषों को विभिन्न अनुष्ठान के द्वारा दूर किया जा सकता है साथ ही सद्कर्मों द्वारा।

2) जिस स्थान पर हम रहते हैं उसका भी असर हमारे जीवन पर, हमारे शरीर पर और हमारे भाग्य पर बहुतायत में पड़ता है जो कि व्यक्ति के भवन के आकार, दिशाओं और आस-पास के वातावरण आदि से प्रभावित होता है। इसलिये रहने के स्थान, कार्यालय आदि को प्रकृति के नियमों के अनुसार संतुलित बनाकर भाग्य कुछ हद तक बदला जा सकता है ।

फेंग शुई चीनी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है वायु और जल यानी जल तत्व और वायु तत्व का सम्मिश्रण ताकि प्राकृतिक शक्ति जिसे 'ची' कहा जाता है सुचारू रूप से प्रवाहित हो सके। चीनी विद्वानों के अनुसार प्रकृति में दो तरह की ऊर्जाएं विद्यमान हैं जिसमें सकारात्मक और नकारात्मक दो प्रकार की ऊर्जायें हैं जिन्हें 'यिन' तथा 'यांग' नाम दिया गया है और इन दोनों के संतुलन से 'ची' ऊर्जा का निर्माण होता है जिसका अर्थ है 'ऊर्जा की अंतरिक्ष की तरंगें' जो भाग्य का निर्माण करती हैं और ये ऊर्जा समस्त प्राणियों में विद्यमान है। जिस प्रकार व्यक्ति के जीवन में ऑक्सीजन जरूरी है उसी प्रकार जीवन को सुखमय बनाने के लिए घर, दुकान या कार्यालय में 'ची' ऊर्जा का होना अति अनिवार्य है। यिन स्त्रीलिंग है जबकि यांग पुल्लिंग ऊर्जा है। इन दोनों ऊर्जाओं को संतुलित करने की विधियां फेंगशुई में हैं जिसके द्वारा अधिक से अधिक सुखमय जीवन व्यक्ति व्यतीत कर सकें। जिस प्रकार अगर हमारे वाहन में कोई दोष आ जाए तो हमारे लिए नित नई परेशानियां खड़ी करता है परंतु यदि हम उसके दोषों को दूर कर लें तो हमारा सफर सुखमय हो सकता है उसी प्रकार फेंगशुई के द्वारा अपने घर की नकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक में बदलकर अपने भाग्य को बदल सकते हैं।

ब्रह्मांड में प्रत्येक वस्तु का निर्माण पांच तत्वों के संयोजन से हुआ है। इन पांचों तत्वों का संतुलन आवश्यक है।

यिन यांग चित्र

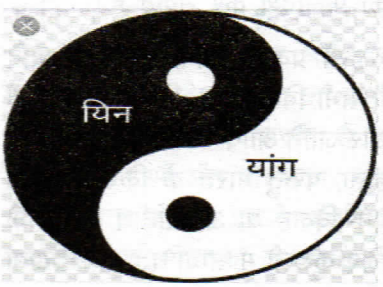

फेंगशुई में निम्न पांच तत्व हैं

1) जल
2) लकड़ी
3) अग्नि
4) पृथ्वी
5) धातु

प्रत्येक दिशा किसी एक तत्व को दर्शाती है :

पूर्व एवं दक्षिण पूर्व–लकड़ी

दक्षिण–अग्नि

दक्षिण–पश्चिम–पृथ्वी

पश्चिम–धातु

उत्तर–पश्चिम–धातु

उत्तर–जल

उत्तर–पूर्व–पृथ्वी

पांचों तत्वों का आपसी संबंध तीन प्रकार से हो सकता है उत्पादक चक्र और विनाशक चक्र, तीसरा चक्र संतुलन चक्र है। इसका उपयोग किसी भी तत्व की अधिकता होने पर उसे बैलेंस करने के लिए किया जाता है।

तत्वों को दिशाओं के अनुरूप व्यवस्थित करना और उनको उत्पादक क्रम में रखना उत्पादक चक्र का निर्माण करता है जो एक–दूसरे के तात्विक निर्माण में सहयोगी होता है ।

उदाहरण के लिए, लकड़ी अग्नि तत्व का समर्थन करती है। अग्नि पृथ्वी तत्व का समर्थन करती है। किसी भी वस्तु के जलने पर जो राख बनती है वह पृथ्वीतत्व का निर्माण करती है– पृथ्वी धातु तत्व का समर्थन करती है, धातु को अपने भीतर स्थान देती है–धातु जल तत्व का समर्थन करती है। गर्म होने पर धातु भी जलीय रूप ले लेती है और–जल लकड़ी के तत्व का समर्थन करता है। जल पेड़–पौधों के लिये जीवनदायी है.....और इसलिए यह सृजन के चक्र में अनिवार्य रूप से उत्पादक होता है।

उत्पादक चक्र एवं विनाशक चक्र चित्र

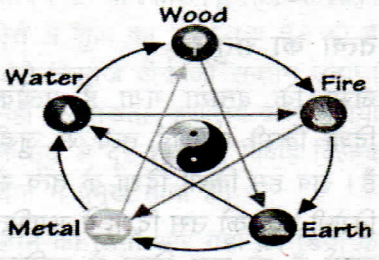

इसके विपरीत संबंधों से विनाशक चक्र का निर्माण होगा जहां तत्व एक–दूसरे का विनाश करते हैं। उदाहरण के लिए, लकड़ी पृथ्वी तत्व को कमजोर करती है क्योंकि पृथ्वी को चीर कर ही पेड़–पौधे उगते हैं–पृथ्वी जल के तत्व को कमजोर करते हैं– जल अग्नितत्व को कमजोर करता है पूरी तरह से नष्ट भी कर देता है –अग्नि धातु तत्व को पिघला देती है, और–धातु लकड़ी के तत्व को कमजोर कर देता है जैसे कुल्हाड़ी जो धातु से बनी है लकड़ी को काट देती है। विनाशकारी चक्र में कोई और तत्व नहीं। इसका ची ऊर्जा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे ची ऊर्जा का अभाव हो जाएगा परिणामस्वरूप जीवन में अनेक परेशानियों का सामना करना होगा, घर का वातावरण सौहार्दपूर्ण नहीं रहेगा, धन, वैभव, स्वास्थ्य, मान–सम्मान, जीवन में प्रगति, वंश वृद्धि ये सभी पहलू प्रभावित होंगे।

तीसरा चक्र जो संतुलन चक्र कहलाता है इसका उपयोग सर्वाधिक होता है क्योंकि किसी भी दिशा में तात्विक असुंतलन को संतुलित करता है। यह चक्र उत्पादक चक्र से एकदम विपरीत चलता है।

फेंगशुई के सभी तत्व जीवन के अलग–अलग पहलुओं को प्रभावित करते हैं :

लकड़ी तत्व : विकास और महत्व

अंक 3, 4

लकड़ी का तत्व हरा है, हालांकि यह भूरा भी है। लकड़ी का तत्व प्रगति, को दिखाता है। जैसे एक स्वस्थ पौधा, सूर्य और आकाश की तरफ हवा में फैले पौधों की गहरी जड़ों का परिणाम है। लकड़ी का तत्व सकारात्मक ऊर्जा के लिए एक महत्वपूर्ण सजावट उपकरण है जब हम कंफ्यूज होते हैं या ऊर्जा कम होती है उस समय। जैसे बम्बू पेड़, पौधे, लकड़ी का फर्नीचर, हरे ,भूरे रंग, भूरे रंग की वस्तुएं, आकर– आयताकार।

अग्नि तत्व : जुनून और सफलता

अंक 9

अग्नि तत्व को गहरे और बोल्ड रंगों से दर्शाया जाता है– लाल, नारंगी, बैंगनी, मैजेंटा, गुलाबी। त्रिकोण आकार, सितारों और वास्तविक अग्नि–संबंधित वस्तुएँ जैसे मोमबत्तियां, पीले लैंप, वास्तविक आग, लाल गलीचा या कालीन आदि ।

पृथ्वी तत्व : स्थिरता और पोषण

अंक 2, 5, 8

पृथ्वी तत्व हमें आधार देता है। हमारे प्रयास, जीवन के सभी क्षेत्र पृथ्वी तत्व के दायरे में आते हैं। यह सुरक्षात्मक, मजबूत, और निरंतर प्रयासों को पोषण देता है। जब हमें अपनी रचनात्मकता और जिम्मेदारियों में समर्थन और

स्थिरता की आवश्यकता होती है, और कहीं भी जहां स्थिरता की आवश्यकता होती है यह संबंधों, हमारे काम, स्वास्थ्य किसी में भी हो सकता है। पृथ्वी तत्व ब्राउन, रेत, और क्रीम और लगभग इसी तरह के सभी रंगों द्वारा दर्शाया जाता है।

पृथ्वी तत्व आकार में संतुलित होते हैं, जैसे वर्ग और पृथ्वी तत्वों को शामिल करने वाली वस्तुओं में क्रिस्टल, पत्थर और मिट्टी के बर्तन शामिल हैं। पृथ्वी तत्व सजावट में बर्तन, फर्नीचर, कृतियाँ, पेबल्स आदि और रुद्राक्ष ।

धातु तत्व : स्पष्टता और आसानी

अंक 6, 7

जब भी हमें गतिशील ऊर्जा या उद्देश्य और दृष्टि की स्पष्टता की आवश्यकता होती है, या हम अभिभूत, भ्रमित या निराश महसूस करते हैं, सुस्ती और उदासीनता से जूझते हैं, स्पष्टता की आवश्यकता होती है तो धातु तत्व की आवश्यकता होती है। फेंगशुई धातु के आकार गोल होते हैं, धातु सजावट के टुकड़े, मजबूत और शीतल ऊर्जा प्रदान करने के लिए सहायक हैं। सजावट में विंड चाईम सफेद तकिए, ग्रे दीवार, धातु की वस्तुएं जिसमें सभी मेटल हो सकते हैं, सोना, चांदी, कांसा सफेद, मैटेलिक रंग हो सकते हैं।

जल तत्व : प्रवाह और स्वतंत्रता

अंक 1

जल वास्तव में प्रकृति की सबसे शक्तिशाली ताकतों में से एक है, जिसके दो विरोधाभासी फल हैं– शक्तिशाली उपचार या निर्दयी विनाश। कल–कल बहता पानी ही 'शेंग ची' या ऊर्जा देता है जब हमें विचारों या रचनात्मकता के प्रवाह की आवश्यकता होती है, जब हम बीमार होते हैं या जब जीवन में दिशा या उद्देश्य की कमी होती है।

जल तत्व : रंग–नीला, आसमानी, आकार–सर्पिल, वस्तुयें–जल से सम्बन्धित वस्तुयें जैसे–फव्वारा, मछली घर, तालाब, कुएं आदि।

तत्वों का संतुलन

जैसा कि बताया गया है प्रत्येक दिशा किसी फेंगशुई तत्व से जुड़ी है। जब हम किसी दिशा के तत्व से विरोधी तत्व को उस दिशा में स्थापित करते हैं तो उस दिशा में तात्विक असंतुलन पैदा हो जाता है जिसके फलस्वरूप उस दिशा से मिलने वाले शुभ परिणामों में कमी आ जाती है या शुभ की जगह अशुभ परिणाम मिलने आरम्भ हो जाते हैं ।

उदाहरणतः यदि उत्तर दिशा में किचन हो तो तात्विक संतुलन बिगड़ जाएगा क्योंकि यह जलतत्व प्रधान क्षेत्र है जबकि किचन अग्नितत्व प्रधान है इसलिये उत्तर दिशा जो कि जीवन में मिलने वाली ऊर्जा की, आमदनी की दिशा है, लक, करियर की दिशा है वहां विरोधी तत्व की उपस्थिति इन सब क्षेत्रो में कमी कर देगी, घर में बीमारी, कलह बढ़ जाएगा, जल क्षेत्र को दूषित कर देगा। यहां तात्विक बैलेंस को बनाने के लिये हमें लकड़ी तत्व को लाना होगा क्योंकि वह दूषित जल को सोख लेगा साथ ही धातु तत्व को भी क्योंकि धातु तत्व जल तत्व का संवर्धन करता है। इसके लिये विंड चाईम लगा सकते हैं। इसी प्रकार पृथ्वी तत्व भी अग्नि तत्व को बैलेंस करता है। इसके लिए टाईल्स, चौकोर आकार, पीले या मटमैले रंग की पेंटिंग्स भी अग्नितत्व को कम करने के लिए लगा सकते हैं।

निष्कर्ष : फेंगशुई द्वारा तत्वों का संतुलन बनाकर मानव जीवन को खुशहाल बनाया जा सकता है और इसके लिये विभिन्न तत्वों के आपसी संबंधों का गहन अध्ययन आवश्यक है। जहां हम वास्तुशास्त्र के नियमों का पालन करने में असमर्थ हो जाते हैं वहां फेंगशुई का उपयोग किया जा सकता है परंतु एक बात का ध्यान रखना है कि वास्तु के नियमो के विरुद्ध नहीं जाना है क्योंकि फेंगशुई और वास्तु दोनों का लक्ष्य एक ही है प्रकृति में संतुलन स्थापित करना।

पता : F1/32 कृष्णा नगर, दिल्ली 110051, मोबाइल : 9818657807, 9990057807

कंप्यूटर जन्माक्षर

विश्व प्रसिद्ध सॉफ्टवेयर लियो स्टार द्वारा निर्मित

- नवजात शिशुओं के लिये भाग्यशाली नाम एवं नक्षत्रफल
- विवाह के लिए कुंडली मिलान
- लाल किताब के सरल उपाय
- ज्योतिषीय सरल उपाय
- अंकशास्त्र
- एस्ट्रोग्राफ एवं प्रश्नफल

नोट : यहां फ्यूचर पॉइंट की ज्योतिषीय सामग्री भी मिलती है।

संपर्क : कुसुम गर्ग –

B-16,
Shreeji Bunglows, Sun Pharma Road, Vadodara-390020, Gujarat,
Phone : 09327744699